Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

# ॥ सकट चौथ में तिलकुटिका महत्व ॥

## ॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥

# Full Disclaimer

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

# ॥ तिल और गुड़ का प्रसाद ॥

सकट चौथ को कई क्षेत्रों में तिलकुट चौथ भी कहा जाता है। माघ के इस व्रत में तिल और गुड़ या शक्कर से बना तिलकुट गणेशजी और सकट माता को अर्पित किया जाता है। पूजा के बाद इसे परिवार के साथ प्रसाद के रूप में बाँटा जाता है।

## तिलकुट क्या है

भुने तिलों को कूटकर गुड़ या शक्कर के साथ मिलाने से तिलकुट बनता है। कहीं इसे लड्डू या चपटी टिकिया के रूप में बनाया जाता है। अलग क्षेत्रों में इसकी बनावट और मिठास बदलती है।

## सांस्कृतिक महत्व

यह मौसम और घर के साझा भोजन से जुड़ी परंपरा है। परिवार साथ बैठकर प्रसाद तैयार करता है और बच्चों सहित सबके कल्याण की प्रार्थना करता है। प्रसाद का अर्थ स्नेह से बाँटना भी है।

## क्षेत्रीय रूप

कुछ घरों में तिलकुट की विशेष आकृति बनाकर पूजा करने की रीति है। यह हर परिवार के लिए आवश्यक नहीं। साधारण तिलकुट या तिल-गुड़ का छोटा प्रसाद भी श्रद्धा से अर्पित किया जा सकता है।

# ॥ प्रसाद तैयार करने की सरल विधि ॥

## सामग्री और तैयारी

साफ तिल, गुड़ या शक्कर और चाहें तो थोड़ी इलायची लें। तिल को धीमी आँच पर हल्का भूनें। ठंडा होने पर कूटें और गुड़ के साथ मिलाएँ। मिश्रण से छोटे लड्डू या टिकियाँ बना लें। गर्म गुड़ संभालते समय सावधानी रखें।

## अर्पण और वितरण

तैयार तिलकुट को साफ थाली में रखें। शाम की पूजा में गणेशजी और सकट माता को नैवेद्य अर्पित करें। चंद्रोदय के बाद अर्घ्य देकर घर की रीति के अनुसार प्रसाद बाँटें और व्रत खोलें।

## खानपान का ध्यान

तिल या किसी अन्य सामग्री से एलर्जी हो तो प्रसाद न खाएँ और उपयुक्त दूसरा विकल्प लें। गुड़-शक्कर की मात्रा के कारण मधुमेह में अपनी चिकित्सा सलाह के अनुसार सेवन करें। छोटे बच्चों को कठोर बड़े टुकड़े न दें।

तिलकुट का धार्मिक महत्व परंपरा और आस्था से जुड़ा है। इसे किसी बीमारी की रोकथाम या उपचार की गारंटी के रूप में न समझें।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥